अश्लीलता, हस्तमैथुन आ अन्य यौन पाप

देखू, हमरा एतबे भेटल जे परमेश् वर मनुष् य कैँ सोझ बना देलनि। मुदा ओ सभ कतेको आविष्कार तकने छथि। उपदेशक 7:29

परिचय

प्रश्न : हमरा सब कें कोन उम्र मे बच्चाक कें यौन पाप कें बारे मे सिखानाय शुरू करबाक चाही?
उत्तर : जहिना ओ सब मूर्खतापूर्ण व्यवहार करैत छथि। 18 साल या 13 साल के उम्र बहुत देर भ गेल अछि...बहुत देर भ गेल अछि. जे सब यौन पाप (वास्तव में सब पाप) कोनो वयस्क द्वारा कयल गेल अछि, ओ सब ओ अछि जे जखन ओ मात्र बच्चा छल तखन ओकरा सिखाओल गेल, सुधारल आ अनुशासित नहि कयल गेल छल | यदि अहां अपन बच्चाक कें सेक्स कें बारे मे नहि सिखाएब त ओकरा किछ या कियो दोसर सिखायत. अश्लीलता होयत। आ अहाँकैँ से नहि चाही। अहाँ के से नै चाही!

मूर्खता बच्चाक हृदय मे बान्हल रहैत छैक... नीतिवचन 22:15

यौन पाप मूर्खतापूर्ण होइत अछि। मूर्खता अधलाह होइत छैक। बुराई के जड़ छै पैसा के प्रेम। तेँ यौन पाप आ सभ मूर्खताक जड़ि पाइक प्रेम सेहो होइत छैक |

कारण पैसाक प्रेम सभ बुराईक जड़ि अछि... 1 तीमुथियुस 6:10

किएक तँ सभ पाप कऽ कऽ परमेश् वरक महिमा सँ वंचित भऽ गेल अछि। रोमियो 3:23

किएक तँ जे केओ समस्त व्यवस्थाक पालन करैत अछि आ एकहि बात मे अपराध करैत अछि, से सभ दोषी अछि। याकूब 2:10

मनुष्यक नजरि मे बच्चा एखन धरि यौन पाप जेना हस्तमैथुन, व्यभिचार, व्यभिचार, वेश्यावृत्ति आदिक दोषी नहि अछि मुदा परमेश्वरक नजरि मे ओ दोषी अछि किएक त' ओ पहिने सँ मूर्खतापूर्ण व्यवहार केने छल। जँ कोनो व्यक्ति, चाहे ओ कोनो उम्रक हो, एक बिन्दु पर परमेश् वरक नियम कैँ ठेस पहुँचबैत अछि तँ ओ पहिने सँ सभटा दोषी अछि। यही कारण छै कि एक बच्चा के परिचय हमरऽ प्रभु आरू उद्धारकर्ता यीशु मसीह, परमेश् वर के पापहीन बेटा जे पूरा व्यवस्था के पूरा करलकै, सं कभियो जल्दी नै होय छै । ओ सभ बिन्दु मे (यौन पाप सहित) परीक्षा लेल गेल छलाह, तइयो बिना पाप के (इब्रानियों 4:15)। ओ सब समयक सबसँ पैघ छथि।

देखू, बच्चा सभ परमेश् वरक धरोहर अछि, आ गर्भक फल हुनकर इनाम अछि। भजन 127:3

जे अपन लाठी छोड़ैत अछि, से अपन बेटा सँ घृणा करैत अछि, मुदा जे ओकरा सँ प्रेम करैत अछि, से ओकरा बेर-बेर दंडित करैत अछि। नीतिवचन 13:24

प्रभुक भय मे प्रबल भरोसा अछि, आ ओकर बच्चा सभ कैँ शरण भेटत। नीतिवचन 14:26

जखन आशा रहैत अछि ताबत धरि अपन बेटा कैँ ताड़ि दियौक, आ ओकर कानब मे अपन प्राण नहि छोड़ू। नीतिवचन 19:18

बच्चा कैँ ओहि बाट पर प्रशिक्षित करू जे ओ जेबाक चाही, जखन ओ बूढ़ भ' जायत तखन ओ ओहि बाट सँ नहि हटत। मूर्खता बच्चाक हृदय मे बान्हल रहैत छैक; मुदा सुधारक छड़ी ओकरा ओकरासँ दूर भगा देतैक।

नीतिवचन 22:6,15

बच्चा कैँ सुधारब नहि रोकू, कारण जँ अहाँ ओकरा लाठी सँ मारब तँ ओ नहि मरत। अहाँ ओकरा छड़ी सँ मारि देब आ ओकर प्राण कैँ नरक सँ मुक्त करब। नीतिवचन 23:13-14

लाठी आ डाँट बुद्धि दैत अछि, मुदा अपना लेल छोड़ल गेल बच्चा अपन माय कैँ लज्जित क' दैत अछि। अपन बेटा कैँ सुधारू, ओ अहाँ कैँ विश्राम देत। हँ, ओ अहाँक प्राण कैँ आनन्द देत। नीतिवचन 29:15,17

अहाँक सभ संतान कैँ परमेश् वरक शिक्षा देल जायत। तोहर सन्तान सभक शान्ति बहुत पैघ होयत।" यशायाह 54:13

अपन बेटा कैँ दंडित करू आ ओकरा श्रमसाध्य क' दियौक, जाहि सँ ओकर अश्लील व्यवहार अहाँक लेल अपराध नहि बनि जाय। उपदेशक 30:13

शब्दक कें परिभाषा

अश्लीलता - मुद्रित या दृश्य सामग्री जेकरा मे यौन अंग या गतिविधि कें स्पष्ट वर्णन या प्रदर्शन होयत छै, जेकर उद्देश्य सौंदर्य या भावनात्मक भावनाक कें बजाय कामुक भावनाक कें उत्तेजित करनाय छै
हस्तमैथुन - यौन सुख कें लेल हाथ सं जननांगक कें उत्तेजना
Voyeurism या दिल मे व्यभिचार - दोसर कें नग्न या देखला सं यौन सुख प्राप्त करय कें प्रथा यौन क्रिया मे संलग्न
व्यभिचार - एक दोसरा सँ विवाह नहि कयल गेल लोकक बीच यौन संबंध
व्यभिचार - विवाहित व्यक्ति आ ओकर जीवनसाथी नहिक बीच स्वैच्छिक यौन संबंध
वेश्यावृत्ति - भुगतानक लेल ककरो संग यौन क्रिया मे संलग्न रहबाक प्रथा वा व्यवसाय
वेश्यावृत्ति - यौन संबंधी व्यवहार, व्यभिचारक रूप मे, वेश्या सभक संग सम्भोग करब
व्यभिचार - प्रबल यौन इच्छा; काम
व्यभिचार - शारीरिक सुख आ विशेष रूप सँ यौन सुख मे अत्यधिक लीनता; सेक्स, नशा, शराब आदि सं जुड़ल व्यवहार जे प्रायःअनैतिक मानल जाइत अछि
कामुकता - एकटा कामुकता वा अश्लील गुण; यौन इच्छा उत्पन्न करबाक गुण
अश्लीलता - अश्लीलता वा अश्लीलता; फूहड़ यौन चरित्र या व्यवहार
व्यभिचार - बहुत रास यौन साथी कें होनाय या ओकरा शामिल करनाय; एकटा यौन साथी या किछु यौन साथी कें लेल सीमित नहि
समलैंगिकता (LGBTQIA+) - समान लिंग या लिंग कें सदस्यक कें बीच यौन आकर्षण, रोमांटिक आकर्षण, या यौन व्यवहार
अनाचार - एक दोसरा सं विवाह करय कें लेल बहुत घनिष्ठ संबंध वाला लोगक कें बीच यौन संबंध; माता-पिता, बच्चा, भाई-बहिन, या पोता कें साथ यौन संबंध रखनाय कें अपराध
बलात्कार - एकटा प्रकार कें यौन उत्पीड़न जइ मे यौन उत्पीड़न या अन्य प्रकार कें यौन प्रवेश शामिल छै जे कोनों व्यक्ति कें खिलाफ ओकर सहमति कें बिना कैल जायत छै
गैंग बैंग - लोगक कें समूह द्वारा एकटा व्यक्ति कें क्रमिक बलात्कार; एकटा यौन नंगा नाच जेकरा मे साथी मे बदलाव शामिल छै
पशुता - कोनों व्यक्ति आ कोनों जानवर कें बीच यौन संबंध
पैराफिलिया - एकटा एहन स्थिति जे असामान्य यौन इच्छाक कें विशेषता छै, जे आमतौर पर चरम या खतरनाक गतिविधियक सं जुड़ल छै

सोडोमी - गुदा या मौखिक संभोग सं जुड़ल यौन संभोग; गुदा सेक्स आ मौखिक सेक्स
जूफिलिया - कोनों मनुष्य कें गैर-मानव जानवर कें प्रति यौन आकर्षण, जेकरा मे जानवर कें बारे मे यौन कल्पना कें अनुभव या ओकरा सं वास्तविक यौन संपर्क कें पीछा करनाय शामिल भ सकय छै
समूह सेक्स - एकहि संग अनेक साथी सं सेक्स करबाक प्रथा; पूर्व। त्रिगुट
नंगा नाच - एकटा जंगली पार्टी जेकरऽ विशेषता छै अत्यधिक शराब पीना आरू अंधाधुंध यौन गतिविधि
झूला - समूह के भीतर समूह सेक्स या यौन साथी के अदला-बदली के प्रथा, खास करी क आदत के आधार पं
प्रदर्शनीवाद - अपनऽ जननांग या अन्य अंतरंग शरीर के अंग के प्रदर्शन करै के मजबूरी या सार्वजनिक रूप सं यौन व्यवहार करै के मजबूरी
बुतवाद - यौन व्यवहार के एक रूप जेकरा मं संतुष्टि होय छै यौन अंग के अलावा कोनो विशेष वस्तु या गतिविधि या शरीर के कोनो अंग स मजबूती स जुड़ल
फ्रोट्यूरिज्म - अपन जननांग के बिना ओकर सहमति के यौन तरीका स दोसर व्यक्ति के खिलाफ स्पर्श या रगड़ब के क्रिया, यौन सुख प्राप्त करय या संभोग सुख तक पहुंचय के लेल
मैसोचिज्म - अपन दर्द या अपमानित स
सैडिज्म स सुख, विशेष रूप स यौन संतुष्टि प्राप्त करय के प्रवृत्ति - दोसर पर पीड़ा, कष्ट, या अपमानित करय सं सुख, विशेष रूप सं यौन संतुष्टि प्राप्त करबाक प्रवृत्ति

श्लोक

धन्य अछि ओ नपुंसक, जे अपन हाथ सँ कोनो अधर्म नहि केने अछि आ ने परमेश् वरक विरुद्ध कोनो दुष् ट बातक कल्पना नहि केलक अछि, किएक तँ ओकरा विश् वासक विशेष वरदान देल जायत आ प्रभुक मन् दिर मे ओकर मनक लेल बेसी स्वीकार्य उत्तराधिकार देल जायत। सुलेमानक बुद्धि 3:14

परमेश् वरक आँखि सभ ठाम अछि, जे अधलाह आ नीक केँ देखैत अछि। नीतिवचन 15:3

अहाँ सभ सुनने छी जे पहिने सँ लोक सभ कहैत छल जे, "अहाँ व्यभिचार नहि करू।" जँ अहाँक दहिना आँखि अहाँ केँ दोषी ठहरबैत अछि तँ ओकरा उखाड़ि कऽ फेकि दियौक, किएक तँ अहाँक लेल ई लाभ अछि जे अहाँक एकटा अंगक नाश भऽ जाय, नहि कि अहाँक पूरा शरीर नरक मे फेकि देल जाय।" जँ अहाँक दहिना हाथ अहाँ केँ दोषी ठहरबैत अछि तँ ओकरा काटि कऽ फेकि दियौक, किएक तँ अहाँक लेल ई लाभ अछि जे अहाँक एकटा अंगक नाश भऽ जाय, आ ई नहि जे अहाँक पूरा शरीर नरक मे फेकि देल जाय।" मत्ती 5:27-30

आओर अन्हारक निष्फल काज मे संगति नहि करू, बल् कि ओकरा डाँटि दियौक। कारण, जे काज हुनका सभक संग गुप्त रूप सँ कयल जाइत अछि, तकरा बाजब सेहो लाजक बात अछि। मुदा जे किछु डाँटैत अछि से इजोत सँ प्रगट होइत अछि, किएक तँ जे किछु प्रगट करैत अछि से इजोत अछि।
इफिसियों 5:11-13

तेँ पृथ् वी पर अपन अंग-अंग सभ केँ मारि दियौक। व्यभिचार, अशुद्धता, अत्यधिक स्नेह, दुष्ट कामुकता आ लोभ, जे मूर्तिपूजा थिक, जकरा लेल परमेश् वरक क्रोध आज्ञा नहि मानय बला संतान पर अबैत अछि

। नीतिवचन 16:6

धार्मिकता कोनो जाति केँ ऊँच करैत अछि, मुदा पाप कोनो लोकक लेल निन्दा होइत अछि। नीतिवचन 14:34

अहाँ व्यभिचार नहि करू। निष्कासन 20:14

अहाँ मनुष्यक संग जेना मनुखक संग नहि लेटब, ई घृणित अछि। आ ने कोनो जानवरक संग सुतब जे ओहि सँ अपना कें अशुद्ध करब, आ ने कोनो स् त्री कोनो जानवरक सोझाँ ठाढ़ भऽ ओकरा पर सुतय। लेवीय 18:22-23

एहि लेल परमेश् वर हुनका सभ कें नीच स्नेह मे छोड़ि देलनि, किएक तँ हुनका सभक स् त्रीगण सभ सेहो स् त्रीगण कें स् त्रीक उपयोग कें स् वभावक विरुद्ध मे बदलि देलनि। आदमी के साथ आदमी जे अयोग्य काम करै छै, आरो खुद में अपनऽ गलती के वू प्रतिफल ग्रहण करै छै जे उचित छेलै। रोमियो 1:26-27

की अहाँ सभ ई नहि जनैत छी जे अधर्मी कें परमेश् वरक राज् य नहि भेटत? धोखा नहि खाउ, ने व्यभिचारी, ने मूर्तिपूजक, ने व्यभिचारी, ने स्त्रीलिंग, आ ने मनुष् यक संग दुर्व्यवहार करनिहार, आ ने चोर, आ ने लोभी, आ ने शराबी, आ ने गारि-गरौबलि, आ ने लूटपाट करनिहार, परमेश् वरक राज् य उत्तराधिकारी बनत। 1 कोरिन्थी 6:9-10

व्यभिचार सँ पलायन करू। मनुष्य जे पाप करैत अछि से शरीरक बाहर होइत अछि। मुदा जे व्यभिचार करैत अछि से अपन शरीरक विरुद्ध पाप करैत अछि। की? अहाँ सभ ई नहि जनैत छी जे अहाँ सभक शरीर पवित्र आत् माक मन् दिर अछि जे अहाँ सभ मे अछि, जे अहाँ सभ परमेश् वरक द्वारा अछि, आ अहाँ सभ अपन नहि छी? किएक तँ अहाँ सभ दाम सँ कीनल गेल छी, तें परमेश् वरक शरीर आ आत् मा मे परमेश् वरक महिमा करू। 1 कोरिन्थी 6:18-20

दुष्टक बाट मे नहि जाउ, आ दुष्ट लोकक बाट पर नहि जाउ। एकरा टालू, ओकरासँ नहि गुजरू, ओकरासँ मुड़ आ गुजरू। किएक तँ ओ सभ सुतैत नहि अछि, जाबत धरि ओ सभ कुकर्म नहि कएने होथि। आ जाबत धरि किछु गोटे कें खसि नहि दैत छथि ताबत धरि हुनका सभक नींद हटि जाइत छनि। किएक तँ ओ सभ दुष्टताक रोटी खाइत अछि आ हिंसाक मदिरा पीबैत अछि। नीतिवचन 4:14-17

लेवीय 18
1 तखन परमेश् वर मूसा सँ कहलथिन,
2 "इस्राएलक सन् तान सभ सँ कहू जे हम अहाँ सभक परमेश् वर प्रभु छी।"
3 जाहि मिस्र देश मे अहाँ सभ रहैत छलहुँ, से नहि करब, आ कनान देशक जे काज हम अहाँ सभ कें अनैत छी, से नहि करब।
4 अहाँ सभ हमर निर्णय कें पालन करब आ ओहि मे चलबाक लेल हमर नियम सभक पालन करब।
5 तें अहाँ सभ हमर नियम आ हमर नियम सभक पालन करू।
6 अहाँ सभ मे सँ कियो अपन नंगटेपन कें उघार करबाक लेल हुनका लग नहि पहुँचत।
7 अहाँ अपन पिताक नंगटेपन वा मायक नंगटेपन नहि खोलब। अहाँ ओकर नंगटेपन नहि उघारब।
8 अहाँ अपन पिताक पत्नीक नंगटेपन नहि खोलब।
9 तोहर बहिनक नंगटेपन, पिताक बेटी वा मायक बेटी, चाहे ओ घर मे जन्मल होथि वा परदेश मे जन्मल होथि, ओकर नंगटेपन कें अहाँ नहि उजागर करब।
10 तोहर बेटाक बेटीक नंगटेपन वा बेटीक बेटीक नंगटेपन ओकरा सभक नंगटेपन नहि खोलब, किएक तँ ओकर सभक नंगटेपन तोहर अपन नंगटे अछि।
11 अपन पिताक पत्नीक नंगटेपन, जे अहाँक पिता सँ जन्मल अछि, ओ अहाँक बहिन अछि, अहाँ ओकर नंगटेपन नहि उजागर करू।
12 अहाँ अपन पिताक बहिनक नंगटेपन नहि खोलब, ओ अहाँक पिताक निकटतम रिश्तेदार छथि।
13 अहाँ अपन मायक बहिनक नंगटेपन नहि खोलब, कारण ओ अहाँक मायक निकटतम रिश्तेदार छथि।
14 अहाँ अपन पिताक भाइक नंगटेपन नहि उघार करब, हुनकर पत्नी लग नहि जाउ, ओ अहाँक मौसी छथि।

15 अहाँ अपन पुतहुक नंगटेपन नहि खोलब। अहाँ ओकर नंगटेपन नहि उघारब।
16 अहाँ अपन भाइक पत्नीक नंगटेपन नहि उतारब।
17 स्त्री आ ओकर बेटीक नंगटेपन नहि उघार करब, आ ने ओकर बेटाक बेटी वा ओकर बेटीक बेटी कैँ ओकर नंगटेपन उघार करबाक लेल ल' जाउ। किएक तँ ओ सभ ओकर निकट परिजन छथि।
18 आ ने ओकर बहिनक जीवन मे कोनो स् त्री कैँ ओकर बहिन कैँ परेशान करबाक लेल आ ओकर नंगटेपन कैँ उजागर करबाक लेल नहि दियौक।
19 जा धरि स् त्री कैँ अशुद्धताक कारणेँ अलग-अलग नहि कयल जायत, ताबत धरि अहाँ स् त्रीक नंग-धड़ंग कैँ उघार करबाक लेल नहि जाउ।
20 संगहि अहाँ अपन पड़ोसीक पत्नीक संग शारीरिक रूप सँ नहि सुतब जाहि सँ हुनका संग अपना कैँ अशुद्ध करब।
21 अहाँ अपन वंशज मे सँ कोनो कैँ आगि मे सँ मोलेक्स धरि नहि जाय देब आ ने अपन परमेश् वरक नाम कैँ अपवित्र करब।
22 अहाँ मनुख-जातिक संग जेना स् त्रीगणक संग नहि सुतब, ई घृणित बात अछि।
23 आ ने कोनो जानवरक संग सुतब जे ओहि सँ अपना कैँ अशुद्ध करब, आ ने कोनो स् त्री कोनो जानवरक समक्ष ठाढ़ भऽ कऽ ओतऽ सुतय।
24 एहि मे सँ कोनो बात मे अहाँ सभ अपना कैँ अशुद्ध नहि करू, किएक तँ एहि सभ मे ओ जाति सभ अशुद्ध भऽ गेल अछि जे हम अहाँ सभक सोझाँ मे बाहर निकालि देलहुँ,
25 आ देश अशुद्ध भऽ गेल अछि, तेँ हम ओकरा पर ओकर अपराधक दण्ड दैत छी आ देश अपन निवासी सभ कैँ उल्टी कऽ दैत अछि।
26 तेँ अहाँ सभ हमर नियम आ हमर नियम सभक पालन करब आ एहि मे सँ कोनो घृणित काज नहि करब। आ ने अहाँक अपन जाति मे सँ कियो आ ने कोनो परदेशी जे अहाँ सभक बीच रहैत अछि,
27 (किएक तँ ई सभ घृणित काज ओहि देशक लोक सभ केने अछि जे अहाँ सभ सँ पहिने छल आ देश अशुद्ध भऽ गेल अछि।)
28 जे देश अहाँ सभ कैँ अशुद्ध करब तँ अहाँ सभ कैँ सेहो नहि उगलैत अछि, जेना अहाँ सभ सँ पहिने के जाति सभ कैँ उगलैत छल।
29 जे कियो एहि घृणित काज सभ मे सँ कोनो काज करत, से करऽ वला प्राणी सेहो अपन लोकक बीच सँ कटि जायत।
30 तेँ अहाँ सभ हमर नियमक पालन करू जे अहाँ सभ एहि घृणित प्रथा सभ मे सँ कोनो काज नहि करू जे अहाँ सभ पहिने कयल गेल छल आ ओहि मे अपना कैँ अशुद्ध नहि करू।

...किएक तँ घमंड मे विनाश आ बहुत कष्ट होइत छैक, आ अश्लीलता मे क्षय आ बहुत अभाव होइत छैक, कारण अश्लीलता अकाल केर माय होइत छैक। Tobit 4:13

मुदा ओ इहो कहैत छथि जे, अहाँ खरगोशक फल नहि खाउ। कोन उद्देश्यक लेल ? हमरा सभकैँ एहि बातक संकेत करबाक लेल; अहाँ व्यभिचारी नहि बनू। आ ने अपना कैँ एहन व्यक्ति सँ उपमा दियौक। कारण खरगोश हर साल अपन गर्भधारणक स्थान कैँ गुणा करैत अछि; आ जतेक साल जीबैत अछि, एतेक साल अछि। आ ने हाइना केर फल खाउ। अर्थात फेर व्यभिचारी नहि बनू आ ने दोसरक भ्रष्ट करनिहार। ने एहन लोक जकाँ बनू। आ से किएक? कारण ओ जीव हर साल अपन प्रकार बदलैत रहैत अछि, आ कखनो नर त कखनो मादा सेहो होइत अछि । एहि कारणेँ ओ नेवला सँ घृणा कयलनि। एहि लेल जे ओ सभ एहन लोक जकाँ नहि होथि जे अपन अशुद्धताक कारणेँ मुँह सँ दुष्टता करैत छथि। आ ने ओहि अशुद्ध स्त्रीगणक संग जुड़ि जाइत छथि, जे मुँह सँ दुष्टता करैत छथि। कारण ओ जानवर अपन मुँहसँ गर्भधारण करैत अछि । बरनबास के सामान्य पत्र 9:7-9

वेश्या के लेल सब रोटी मीठ होइत छैक, जा धरि ओ मरि नहि जायत ता धरि नहि छोड़त। जे आदमी विवाह तोड़ि कऽ मोन मे ई कहैत अछि जे, “हमरा के देखैत अछि?” हम अन्हार मे घेरल छी, देबाल हमरा झाँपि देने अछि, आ कोनो देह हमरा नहि देखैत अछि। हमरा की डरबाक चाही? परमात्मा हमर पाप कैँ मोन नहि राखत, एहन आदमी मात्र मनुष्यक आँखि सँ डरैत अछि, आ ई नहि जनैत अछि जे प्रभुक आँखि सूर्य सँ दस हजार गुना तेज अछि, मनुष्यक सभ मार्ग कैँ देखैत आ अत्यंत गुप्त अंग पर विचार करैत। ओ सभ किछु कैँ सृष्टि सँ पहिने जनैत छलाह; तहिना हुनका सभक सिद्ध भेलाक बाद ओ सभ कैँ देखलनि। एहि आदमी कैँ शहरक गली-गली मे सजा देल जायत, आ जतय ओकरा शंका नहि होयत, ओतय ओकरा लऽ जायल जायत। जे पत्नी अपन पति कैँ छोड़ि कऽ दोसरक उत्तराधिकारी कैँ आनि लेत, से पत्नीक संग सेहो एहि तरहेँ चलत। पहिने, ओ परमात्माक नियमक अवहेलना कयलनि। दोसर बात जे ओ अपन पति पर अपराध केने छथि। तेसर बात ई जे ओ व्यभिचार मे वेश्यावृत्ति कएने छथि आ दोसर पुरुष सँ बच्चा सभ कैँ अनने छथि। उपदेशक 23:17-23

हमर प्राण तीन तरहक आदमी सँ घृणा करैत अछि, आ हम हुनकर जीवन पर बहुत आहत छी: एकटा गरीब जे घमंडी अछि, एकटा धनी जे झूठ बाजैत अछि आ एकटा बूढ़ व्यभिचारी जे काज करैत अछि। उपदेशक 25:2

वेश्या कैँ थूक बुझल जायत। मुदा विवाहित स्त्री अपन पतिक लेल मृत्युक विरुद्ध टावर अछि। उपदेशक 26:22

स्वीकारोक्ति, पश्चाताप आ पुनर्स्थापना

किएक तँ धर्मी मनुख सात बेर खसि पड़ैत अछि आ फेर उठि जाइत अछि। नीतिवचन 24:16

जे अपन पाप कैँ झाँपैत अछि, तकरा सफलता नहि भेटतैक, मुदा जे ओकरा स्वीकार करत आ ओकरा छोड़ि देत, ओकरा दया भेटतैक। नीतिवचन 28:13

हे हमर शत्रु, हमरा पर आनन्दित नहि होउ, जखन हम खसब तखन हम उठब। जखन हम अन्हार मे बैसब तखन परमेश् वर हमरा लेल इजोत बनताह। हम परमेश् वरक क्रोध सहन करब, किएक तँ हम हुनका विरुद्ध पाप केलहुँ, जाबत धरि ओ हमर बात नहि करत आ हमरा लेल न्याय नहि करत। मीका 7:8-9

तखन हमरा सभ लग एकटा पैघ महापुरोहित छथि जे स् वर्ग मे चलि गेल छथि, परमेश् वरक पुत्र यीशु, आउ, हम सभ अपन वचन कैँ मजबूती सँ पकड़ि ली। कारण, हमरा सभक एहन महापुरोहित नहि अछि, जकरा अपन दुर्बलताक भाव सँ नहि छुबि सकैत अछि। मुदा सभ तरहेँ हमरा सभ जकाँ प्रलोभित भेलाह, मुदा पाप नहि। तेँ हम सभ निर्भीकतापूर्वक अनुग्रहक सिंहासन पर आबि जाउ, जाहि सँ हमरा सभ कैँ दया भेटय आ आवश्यकताक समय मे सहायता करबाक लेल कृपा भेटि जाय। इब्रानियों 4:15-16

जँ हम सभ अपन पाप स्वीकार करब तँ ओ विश्वासी आ न्यायी छथि जे हमरा सभक पाप क्षमा करथि, आ हमरा सभ कैँ सभ अधर्म सँ शुद्ध करथि। 1 यूहन्ना 1:9

मुदा जे सभ पश्चाताप करैत छल, तकरा सभ कैँ ओ ओकरा सभ कैँ वापस करबाक अनुमति देलनि, आ धैर्य मे विफल रहनिहार सभ कैँ सान्त्वना देलनि। प्रभु लग घुरि जाउ आ अपन पाप छोड़, हुनकर मुँह पर अपन प्रार्थना करू आ कम अपराध करू। परमेश् वरक दिस घुमि जाउ आ अधर्म सँ मुड़, किएक तँ ओ अहाँ कैँ अन् हार सँ स्वास्थ्यक इजोत मे लऽ जायत आ घृणित काज सँ घृणा करब। उपदेशक 17:24-26

हमर बेटा, अहाँ पाप केलहुँ की? आब एहन नहि करू, बल् कि अपन पूर्वक पापक क्षमा माँगू। पाप सँ पलायन करू जेना साँपक मुँह सँ निकलि जाउ, किएक तँ जँ अहाँ ओकर बेसी नजदीक आबि जायब तँ ओ अहाँ कैँ

काटि लेत। उपदेशक 21:1-2

हे परमेश् वर, अपन दयाक अनुसार हमरा पर दया करू। हमरा हमर अधर्म सँ नीक जकाँ धोउ, आ हमरा पाप सँ शुद्ध करू। हम अपन अपराध स्वीकार करैत छी, आ हमर पाप सदिखन हमरा सोझाँ अछि। हम अहाँक विरुद्ध मात्र पाप केलहुँ आ अहाँक सामने ई अधलाह केलहुँ, जाहि सँ अहाँ बजैत काल धर्मी ठहरा सकब आ जखन अहाँ न्याय करब तखन स्पष्ट भऽ जायब।" देखू, हम अधर्म मे आकार लेलहुँ। आ पाप मे हमर माय हमरा गर्भ मे राखि लेलनि। देखू, अहाँ भीतरक भाग मे सत्यक इच्छा करैत छी, आ नुकायल भाग मे अहाँ हमरा बुद्धि कें जनौबह। हमरा हिसोप सँ शुद्ध करू, हम शुद्ध भ' जायब, हमरा धोउ, हम बर्फ सँ उज्जर भ' जायब। हमरा आनन्द आ आनन्द सुनबा दियौक। जाहि सँ अहाँ जे हड्डी तोड़ि देलहुँ से आनन्दित हो।" हमर पाप सँ अपन मुँह नुका दियौक आ हमर सभ अधर्म कें मेटा दियौक। हे परमेश् वर, हमरा मे शुद्ध हृदयक सृजन करू। आ हमरा भीतर एकटा सही भावना के नवीनीकरण करू। हमरा अपन सान्निध्य सँ दूर नहि फेकि दिअ। आ अपन पवित्र आत् मा हमरा सँ नहि छीनू।" हमरा अपन उद्धारक आनन्द कें फेर सँ दऽ दिअ। आ अपन मुक्त आत् मा सँ हमरा सहारा दिअ। तखन हम अपराधी सभ कें अहाँक बाट सिखाएब। पापी सभ तोरा दिस बदलि जेताह।" हे परमेश् वर, हे हमर उद्धारक परमेश् वर, हमरा खूनक अपराध सँ मुक्त करू। हे प्रभु, हमर ठोर खोलू। हमर मुँह तोहर स्तुति करत।" किएक तँ अहाँ बलिदानक इच्छा नहि करैत छी। अन्यथा हम ओकरा दऽ देब, अहाँ होमबलि मे प्रसन्न नहि होइत छी। परमेश् वरक बलिदान एकटा टूटल-फूटल आत् मा अछि, एकटा टूटल-फूटल आ पश्चातापित हृदय, हे परमेश् वर, अहाँ तिरस्कृत नहि करब। अपन प्रसन्नता मे सियोनक लेल नीक काज करू, यरूशलेमक देबाल बनाउ। तखन अहाँ धार्मिकताक बलिदान, होमबलि आ सम्पूर्ण होमबलि सँ प्रसन्न होयब, तखन ओ सभ अहाँक वेदी पर बैल चढ़ाओत। भजन 51

यीशु जैतूनक पहाड़ पर गेलाह। भोरे-भोर ओ फेर मन्दिर मे आबि गेलाह आ सभ लोक हुनका लग आबि गेलाह। ओ बैसि कऽ हुनका सभ कें सिखबैत रहलाह। शास्त्री आ फरिसी सभ व्यभिचार मे पकड़ल गेल स् त्री कें हुनका लग अनलनि। ओ सभ ओकरा बीच मे बैसा कऽ ओकरा कहलथिन, "गुरु, ई स् त्री व्यभिचार मे पकड़ल गेल छल।" मूसा धर्म-नियम मे हमरा सभ कें आज्ञा देलनि जे एहन लोक सभ कें पाथर मारि देल जाय, मुदा अहाँ की कहैत छी? ई बात ओ सभ ओकरा प्रलोभन दैत कहलक जे ओकरा पर आरोप लगाबय पड़य। मुदा यीशु झुकि गेलाह आ अपन आँगुर सँ जमीन पर लिखि गेलाह जेना ओ हुनका सभक बात नहि सुनने होथि। ओ सभ जखन हुनका सँ पुछैत रहलाह तँ ओ उठि कऽ कहलथिन, "अहाँ सभ मे जे पाप नहि अछि, से पहिने ओकरा पर पाथर फेकय।" ओ फेर झुकि कऽ जमीन पर लिखलनि। ई बात सुननिहार सभ अपन विवेक सँ दोषी ठहरा कऽ एक-एक कऽ जेठका सँ शुरू भऽ कऽ अंतिम लोक धरि निकलि गेलाह। यीशु उठि कऽ ओहि स् त्री कें छोड़ि ककरो नहि देखलनि तँ पुछलथिन, "एहि स् त्री, ओ सभ अहाँ पर आरोप लगाबयवला सभ कतऽ अछि?" की तोहर केओ दोषी नहि ठहरौलक? ओ बजलीह, कोनो आदमी नहि, प्रभु। यीशु ओकरा कहलथिन, "हमहूँ तोरा दोषी नहि ठहरा रहल छी। यूहन्ना 8:1-11

रोमियो 7:7-25
7 तखन हम की कहब? की व्यवस्था पाप अछि? भगवान नहि करथि। नहि, हम पाप नहि जनैत छलहुँ, बल् कि धर्म-नियमक द्वारा, किएक तँ हम काम-वासना कें नहि जनैत छलहुँ, जाबत धरि व्यवस्था नहि कहने छल जे, "तों लोभ नहि करू।"
8 मुदा पाप आज्ञाक कारणेँ हमरा मे सभ तरहक कामुकता उत्पन्न कऽ देलक। कारण, व्यवस्थाक बिना पाप मरि गेल छल।
9 हम एक बेर धर्म-नियमक बिना जीवित छलहुँ, मुदा जखन आज्ञा आबि गेल तखन पाप जीवित भऽ गेल आ हम मरि गेलहुँ।
10 आज्ञा जे जीवनक लेल देल गेल छल, से हमरा मृत्युक लेल भेटल।
11 पाप आज्ञाक कारणेँ हमरा धोखा देलक आ ओकरा द्वारा हमरा मारि देलक।

12 तेँ धर्म-नियम पवित्र अछि, आज्ञा पवित्र, धार्मिक आ नीक अछि।
13 तखन की नीक बात हमरा लेल मृत्यु बनि गेल छल? भगवान नहि करथि। मुदा पाप एहि लेल जे पाप प्रतीत होअय, जे नीक बातक द्वारा हमरा मे मृत्युक काज करैत अछि। आज्ञाक द्वारा पाप अत्यधिक पापपूर्ण भ' जाय।
14 हम सभ जनैत छी जे धर्म-नियम आत् मक अछि, मुदा हम शारीरिक छी आ पापक अधीन बेचल गेल छी।
15 हम जे काज करैत छी से नहि दैत छी। मुदा हमरा जे घृणा अछि, से हम करैत छी।
16 जँ हम ओ काज करैत छी जे हम नहि चाहैत छी तँ हम धर्म-नियमक बात सँ सहमत छी जे ई नीक अछि।
17 आब हम ई काज नहि कऽ रहल छी, बल् कि पाप जे हमरा मे बसल अछि।
18 हम जनैत छी जे हमरा मे (अर्थात हमर शरीर मे) कोनो नीक वस्तु नहि रहैत अछि। मुदा जे नीक अछि से कोना करब से हमरा नहि लगैत अछि।
19 हम जे नीक चाहैत छी से नहि करैत छी, मुदा जे अधलाह हम नहि चाहैत छी से करैत छी।
20 जँ हम ओ काज करैत छी जे हम नहि चाहैत छी तँ आब हम नहि करैत छी, बल् कि पाप जे हमरा मे रहैत अछि।
21 तखन हमरा एकटा नियम भेटैत अछि जे जखन हम नीक काज करय चाहैत छी तखन हमरा संग अधलाह अछि।
22 हम परमेश् वरक धर्म-नियम मे आन्तरिक मनुष् य मे रमैत छी।
23 मुदा हम अपन अंग-अंग मे एकटा आओर नियम देखैत छी जे हमर मनक नियमक विरुद्ध लड़ैत अछि आ हमरा ओहि पापक नियमक बंदी बना दैत अछि जे हमर अंग मे अछि।
24 हे दयनीय आदमी जे हम छी! एहि मृत्युक देह सँ हमरा के मुक्त करत?
25 हम अपन प्रभु यीशु मसीहक द्वारा परमेश् वर कैँ धन्यवाद दैत छी। तखन हम स्वयं मन सँ परमेश् वरक नियमक सेवा करैत छी। मुदा शरीरक संग पापक नियम।

अहाँ सभ कैँ एहन कोनो परीक्षा नहि आयल अछि जे मनुष् यक लेल अछि, मुदा परमेश् वर विश् वासयोग् य छथि, जे अहाँ सभ कैँ ओहि सँ बेसी परीक्षा मे पड़य नहि देथिन। मुदा परीक्षा सँ बचबाक बाट सेहो बनाओत जाहि सँ अहाँ सभ सहन कऽ सकब।" 1 कोरिन्थी 10:13

एकर बाद यहूदी सभक भोज भेल। यीशु यरूशलेम गेलाह। यरूशलेम मे भेँड़ाक बजारक कात मे एकटा पोखरि अछि, जकरा हिब्रू भाषा मे बेथेस्दा कहल जाइत अछि, जकर पाँचटा ओसारा अछि। एहि सभ मे नपुंसक लोकक एकटा पैघ भीड़ पड़ल छल, आन्हर, रुकल, मुरझायल, पानिक हिलबाक प्रतीक्षा मे। एकटा स् वर्गदूत एक समय मे पोखरि मे उतरि कऽ पानि कैँ परेशान कऽ देलक। ओतय एकटा आदमी छल, जे अड़तीस वर्षक दुर्बलता मे छल। यीशु जखन हुनका पड़ल देखलनि आ ई जानि गेलाह जे ओ बहुत दिन सँ एहि मामला मे छथि, तखन ओ हुनका कहलथिन, "की अहाँ ठीक भ' जायब?" ओ नपुंसक ओकरा उत्तर देलकनि, "महाराज, हमरा लग पानि त्रस्त भेला पर कोनो एहन केओ नहि अछि जे हमरा पोखरि मे राखि सकैत अछि। यीशु हुनका कहलथिन, "उठू, अपन बिछाओन उठा कऽ चलू।" तखने ओ आदमी ठीक भऽ गेल आ अपन बिछाओन उठा कऽ चलय लागल। यहूदी सभ ठीक भेल कैँ कहलथिन, "विश्राम-दिन अछि।" ओ हुनका सभ कैँ उत्तर देलथिन, "जे हमरा ठीक करौलनि, से हमरा कहलथिन, "अपन बिछाओन उठा कऽ चलू।" तखन ओ सभ हुनका सँ पुछलथिन, "की आदमी अहाँ कैँ कहने छल जे, 'अपन ओछाओन उठा कऽ चलू?" जे लोक ठीक भऽ गेल छल से नहि बुझल छल जे ई के अछि, किएक तँ यीशु ओहि ठाम मे बहुतो लोक सभ अपना कैँ चलि गेल छलाह। तकर बाद यीशु हुनका मन् दिर मे पाबि कऽ कहलथिन, "देखू, अहाँ ठीक भऽ गेलहुँ। यूहन्ना 5:1-14

अपन हृदय कैँ पूरा लगन सँ राखू। कारण, ओहि मे सँ जीवनक मुद्दा निकलैत अछि। नीतिवचन 4:23

अहाँ सभ प्रभु कैँ ताबत धरि खोजू, जाबत धरि ओ भेटि जायत, हुनका लग बजाउ, दुष्ट अपन बाट छोड़ि दियौक आ अधर्मी कैँ अपन विचार कैँ छोड़ि दियौक। आ हमरा सभक परमेश् वर कैँ, किएक तँ ओ प्रचुर मात्रा मे क्षमा

करताह।" यशायाह 55:6-7

दुष्टता सँ परहेज करू। 1 थिस्सलुनीकियों 5:22

सबसँ पहिने ई मानू जे एकेटा परमेश् वर छथि जे सभ किछु नहि बनौलनि आ ओकरा एकटा प्राणी मे बनौलनि। ओ सब बात केँ बुझैत छथि, आ मात्र अपार छथि, ककरो बूझल नहि। जेकरा ने कोनो शब्दसँ परिभाषित कएल जा सकैत अछि, आ ने मनसँ कल्पना कएल जा सकैत अछि । तेँ हुनका पर विश् वास करू। आ ओकरा सँ डरू। आ ओकरा सँ डरैत सभ अधलाह सँ परहेज करू। एहि बात सभ केँ राखू, आ सभ काम-वासना आ अधर्म केँ अपना सँ दूर राखू, आ धार्मिकता पहिरब, आ जँ अहाँ एहि आज्ञाक पालन करब तँ परमेश् वरक लेल जीवित रहब।" हरमास के 2 पुस्तक 1:1-5